



::आयुक्त (अपील-III) का कार्यालय,केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS-III), CENTRAL EXCISE,
द्वितीय तल, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भवन / 2nd Floor, Central Excise Bhavan,
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,
राजकोट / Rajkot - 360001



Tele Fax No : 0281 - 2477952/2441142 Email : cexappealsrajkot@gmail.com

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश नं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/187 /RAJ/2016	02/ST/2016	09.06.2016
ख	अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):		

RAJ-EXCUS-000-APP-007-2017-18

आदेश का दिनांक / जारी करने की तारीख /
Date of Order: **29.05.2017** Date of issue: **05.06.2017**

श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील-III) द्वारा पारित /
Passed by Shri Uma Shanker, Commissioner (Appeals-III)

ग अगर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भवन, राजकोट / जामनगर / गन्धधाम। द्वारा उपरोक्तित जनी मूल आदेश से मुक्ति /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-**
M/s. Himalya Trans-Logistics P. Ltd, "Zaver Nivas", 9, Panchnath Plot, Rajkot 360 001,

इस आदेश(अपील) से व्यक्तित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपरोक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दाखल कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

- (A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।/
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-
- (i) सर्वोच्च न्यायालय से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को भी जमा करिए।/
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.
- (ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बराबर गए अपील के अलावा बीच सभी अपील सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (तिरुचेरी) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, 30-20, न्यू मेन्टल हॉस्पिटल कंपाउंड, मेघनी नगर, अहमदाबाद-380016, को भी जमा करिए।/
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Mental Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad, 380016, in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above.
- (iii) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील दाखल करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवाची, 2001, के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित किए गए फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में टूट कर दिया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की सीमा, उत्पाद की श्रेणी और सलाया गया जर्मनी, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति सलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टै ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

- (B) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर नियमवाची, 1994, के नियम 9(1) के अन्तर्गत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में सलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की सीमा, आर. के. पुरम की श्रेणी और सलाया गया जर्मनी, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपए, 5,000/- रुपए अथवा 10,000/- रुपए का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति सलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टै ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

(i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दायें की गयीं अपील, सेवाकर विवादवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रथम S.T.-7 में की जा सकने एवं उसके साथ आबुकर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रति का संलग्न करे (जिसमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा संलग्न आबुकर अथवा आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपील न्यायाधिकरण को अपील दायें करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। /
The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सेवा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपील न्यायाधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर साथ के 10 प्रतिशत (10%), जब मूल्य एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का मुआवजा किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जहां कि जाने वाली अपेक्षित टैक्स राशि इस बॉण्ड स्वरूप में अतिक्रम हो।

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "आव किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
 - (ii) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
 - (iii) सेनॉट जमा की गयी गयीं गलत राशि
 - (iv) सेनॉट जमा निपटारावली के नियम 6 के अंतर्गत टैक्स रकम
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान विधायी (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपील न्यायाधिकरण के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत नहीं एवं अपील को लागू नहीं होवे।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D,
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India:

इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पारक के अंतर्गत प्रदा संपिद, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, परमेश्वर भवन, चौकी मजिद, जीवाण दीप भवन, ससद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी बन्दखाने से अंदर गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य बन्दखाने या फिर किसी एक अंदर गृह से दूसरे अंदर गृह पारगमन के दौरान, या किसी अंदर गृह में या अंदरगृह से माल के पारगमन के दौरान, किसी बन्दखाने या किसी अंदर गृह में माल के नुकसान के मामले में। /
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर लगी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबैट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) मुनिशपित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इप्टी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आबुकर (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा निर्यात की गईं लॉखि अथवा समतुल्यि पर या बट में पारित किए गए हैं। /
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रथम संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) विभागवली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के लक्ष्य के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साथ-साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O.I.O. and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए। /
इस संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। /
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दम में किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होते हुए भी की सिखा नहीं करे से बचने के लिए यथास्थिति अपील न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /
In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) याचकसंघित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क रिफिंड लेना होगा चाहिए। /
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act 1975, as amended.

(F) सेवा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (कार्य विधि) विभागवली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्भालित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /
Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपील न्यायाधिकरण को अपील दर्जित करने से संबंधित विवरण, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपील न्यायाधिकरण वेबसाइट www.cbec.gov.in की टैबल सकते हैं। /
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

:: ORDER IN APPEAL ::

M/s. Himalaya Trans-Logistics Private Limited, "Zaver Nivas", 9 Panchnath Plot, Rajkot – 360 001 (hereinafter referred to as "the appellant") had filed the present appeal against the Order-In-Original No. 02/ST/2016 dated 09.06.2016 (hereinafter referred to as "the impugned order"), passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Rajkot (hereinafter referred to as the 'adjudicating authority')

2. The facts of the case are that, during verification of documents by audit, it was observed that the appellant has wrongly availed the cenvat credit of Rs. 50,845/- during the period from November-2013 and December-2013, on the invoices of M/s. Bombay Garage (Raj.) Private Limited and M/s. Shree Mahavir Trading Co., Rajkot in respect of purchase of products falling under Ch. 27 of CETA, 1985. On examination of the invoices, it was observed that they are not registered dealers under Central Excise Act at the material time. On being asked, the appellant produced a copy of invoices meant for "duplicate for transporter" issued by M/s. Bharat Petroleum Corporation Limited, wherein name of the consignee was the respective dealers and the name of the buyer in favour of the appellant appears to be inserted subsequently by hand-writing. Since the invoices issued by the dealers do not contain the mandatory details of duty payable, central excise registration number of the person issuing the invoice and name and address of the factory of the manufacturer, SCN was issued on 06.04.2016 for recovery of wrongly availed cenvat credit alongwith interest under Rule 14 of the Cenvat Credit Rules, 2004 (hereinafter referred to as "the CCR, 2004) readwith proviso to Section 73(1) of the Finance Act, 1994 and Section 75 of the Finance Act, 1994 and for imposition of penalty under Rule 15(3) of the CCR, 2004 readwith Section 78 of the Finance Act, 1994. The adjudicating authority vide impugned order confirmed recovery of wrongly availed cenvat credit alongwith interest and has also imposed penalty equivalent to the amount of cenvat credit.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant have preferred the present appeal on the grounds that the adjudicating authority has erred in not considering the fact that the respective documents does indicate the delivery of material to the applicant and is also duty accounted for in the statutory registers; the adjudicating authority has ignored the fact that the respective documents are issued by the Government undertakings and is also signed by the authorised person; further, the department has also not denied receipt of material and use of the material in the premises and hence credit as claimed was ought to have been allowed; that the adjudicating authority has erred in ignoring the settled law that for mere procedural

lapse no substantive benefit can be denied; the documents referred does indicate supply of material to the applicant directly and hence merely because the name and address of the applicant is hand-written, credit cannot be denied; that the adjudicating authority has also erred in imposing the penalty equivalent to the credit amount on the ground as mentioned in the order as also the ground raised herein above; that the ground raised may be treated as part of the ground for setting aside the penalty.

4. Personal Hearing in the matter was held on 21.03.2017. Shri Paresh Sheth, Advocate attended the same on behalf of the appellant and reiterated the contents of the Appeal Memorandums. He showed me the invoice and submitted that it is procedural infringement.


5. I have carefully gone through the facts of the case, impugned order, appeal memorandum filed by the appellant and submissions made by the appellant at the time of personal hearing. The limited issue to be decided in the present appeal is whether the Cenvat credit on goods purchased from non-registered dealers is available, or otherwise.

6. I observe that the cenvat credit of goods falling under Chapter 27 of the first schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 has been denied by the adjudicating authority on the ground that the invoices on the basis of which cenvat credit has been availed have been issued by the dealers who are not registered with the Central Excise. It is fact on record that the appellant who is registered as service provider with the department, has produced 'duplicate copy for transporter' issued by M/s. Bharat Petroleum Corporation Limited wherein the name of dealers were mentioned as name of consignee however the name of buyer i.e. appellant were found hand-written. The contention of the appellant that the goods were received by them directly from the manufacturer's premises as well as receipt of duty paid goods and its use for providing output service has not been disputed by the department. The contention of the appellant is not tenable in as much as I find that the adjudicating authority has not mentioned anything about the receipt of the subject goods by the appellant. It would be presumptive on the part of the appellant that the department has accepted the receipt of the goods by the appellant. Therefore, at this juncture, the goods cannot be said to have been received by the appellant. If the contentions of the appellant is accepted, the very purpose of concept of dealers in cenvat credit regime would be defeated.

7. In view of the above facts, discussions and finding, I find that the appellant ^{has} failed to justify their claim of availing cenvat credit on improper document, and thus I

do not find any infirmity with the impugned order. Accordingly, I uphold the impugned order and reject the appeal filed by the appellant.

८. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।
8. The appeals filed by the appellant stands disposed off in above terms.


(उमा शंकर)
आयुक्त (अपील्स - III)

By Speed Post

To,
M/s. Himalaya Trans-Logistics Private Limited,
"Zaver Nivas", 9 Panchnath Plot,
Rajkot – 360 001

Copy to:

1. The Chief Commissioner, Central Excise, Ahmedabad.
2. The Principal Commissioner, Central Excise & Service Tax, Rajkot.
3. The Assistant Commissioner, Service Tax Division, Rajkot.
4. The Superintendent, Service Tax, Range- I, Rajkot.
5. PA to the Commissioner (Appeals- III), Central Excise, Ahmedabad.
6. Guard File.